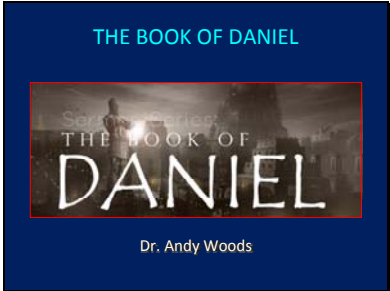


Slide 1




---

---

---

---

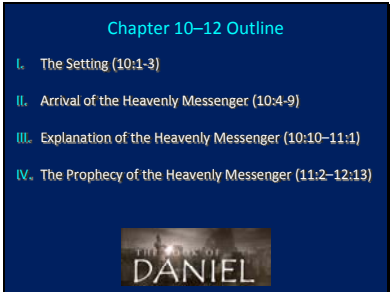
---

---

---

---

Slide 2




---

---

---

---

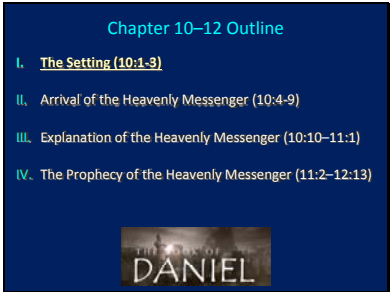
---

---

---

---

Slide 3




---

---

---

---

---

---

---

---




Slide 4

I. The Setting (10:1-3)

A. Historically (v. 1)

1. Cyrus of Persia
2. Third year of Cyrus

B. Personally (v. 2-3)



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 5

Succession of Gentile Rulers

- 1-4: Nebuchadnezzar of Babylon
- 5: Belshazzar of Babylon
- 6: Darius of Media – Persia
- 7-8: Belshazzar of Babylon
- 9: Darius of Media – Persia
- 10-12: Cyrus of Media – Persia

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 6

CHAPTER AND VERSE IN DANIEL	CHRONOLOGICAL DATE	BIBLICAL DATE
1:1	605	3 <sup>rd</sup> year of Jehoiakim
2:1	603	2 <sup>nd</sup> year of Nebuchadnezzar
5	Sat. night 10/12/539 (Hohner)	
7:1	553	1 <sup>st</sup> year of Belshazzar
8:1	551	3 <sup>rd</sup> year of Belshazzar
9:1	538	1 <sup>st</sup> year of Darius
<u>10:1</u>	<u>536</u>	<u>3<sup>rd</sup> year of Cyrus</u>

---

---

---

---

---

---

---

---

---


---



Slide 10

Chapter 10–12 Outline

- I. The Setting (10:1-3)
- II. Arrival of the Heavenly Messenger (10:4-9)
- III. Explanation of the Heavenly Messenger (10:10–11:1)
- IV. The Prophecy of the Heavenly Messenger (11:2–12:13)



---

---

---

---

---

---

---

---



---

---

Slide 11

III. Explanation of the Heavenly Messenger (10:10–11:1)

- A. Explanation of His Delay (10:10-13)
- B. Explanation of His Visit (10:14–11:1)
  - 1. Purpose of his visit (10:14)
  - 2. Daniel's reaction (10:15-19)
  - 3. Continuing spiritual warfare (10:20–11:1)



---

---

---

---

---

---

---

---



---

---

Slide 12

III. Explanation of the Heavenly Messenger (10:10–11:1)

- A. Explanation of His Delay (10:10-13)
- B. Explanation of His Visit (10:14–11:1)
  - 1. Purpose of his visit (10:14)
  - 2. Daniel's reaction (10:15-19)
  - 3. Continuing spiritual warfare (10:20–11:1)



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 13



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 14



---

---

---

---

---

---

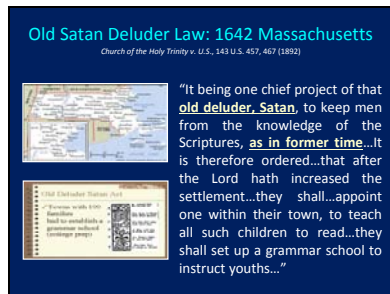
---

---

---

---

Slide 15



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 16

Biblical Reality of the Angelic World

- Job 1:12
- 2 Kings 6:15-17
- 1 Chron 21:1
- Dan 10:12-13, 20
- Matt 16:21-23
- Eph 6:12
- Rev 12



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---



Slide 17

III. Explanation of the Heavenly Messenger (10:10–11:1)

A. Explanation of His Delay (10:10-13)

**B. Explanation of His Visit (10:14–11:1)**

1. Purpose of his visit (10:14)
2. Daniel's reaction (10:15-19)
3. Continuing spiritual warfare (10:20–11:1)



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---



Slide 18

III. Explanation of the Heavenly Messenger (10:10–11:1)

A. Explanation of His Delay (10:10-13)

**B. Explanation of His Visit (10:14–11:1)**

1. Purpose of his visit (10:14)
2. Daniel's reaction (10:15-19)
3. Continuing spiritual warfare (10:20–11:1)



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---



Slide 19

III. Explanation of the Heavenly Messenger (10:10–11:1)

A. Explanation of His Delay (10:10-13)

B. Explanation of His Visit (10:14–11:1)

1. Purpose of his visit (10:14)
2. Daniel's reaction (10:15-19)
3. Continuing spiritual warfare (10:20–11:1)



---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 20

2. Daniel's Reaction (15-19)

- a. Problem (v.15-17)
- b. Solution (v.18-19)



---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 21

2. Daniel's Reaction (15-19)

- a. Problem (v.15-17)
- b. Solution (v.18-19)



---

---

---

---

---

---

---

---

---


---

Slide 22

2. Daniel's Reaction (15-19)

a. Problem (v.15-17)

b. Solution (v.18-19)



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 23

III. Explanation of the Heavenly Messenger (10:10-11:1)



A. Explanation of His Delay (10:10-13)

B. Explanation of His Visit (10:14-11:1)

1. Purpose of his visit (10:14)

2. Daniel's reaction (10:15-19)

3. Continuing spiritual warfare (10:20-11:1)



---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 24

Identification of the Four Kingdoms

Part of the Statue	Symbol	Identification	Chronology of Major Empires in Daniel
HEAD OF GOLD	LION	BABYLON	605-539 B.C.
TORSO OF SILVER	BEAR	MEDO-PERSIA	539-333 B.C.
WASTES OF BRONZE	LEOPARD	GREECE	333-167 B.C.
FEET OF IRON	TERRIFYING AND FEARFUL BEAST	ROME	167 B.C. - 476 A.D.



---

---

---

---

---

---

---

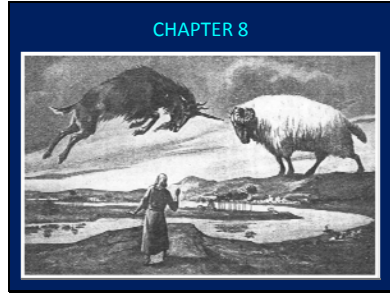
---

---

---



Slide 25



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 26



---

---

---

---

---

---

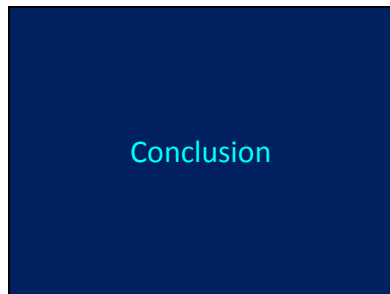
---

---

---

---

Slide 27



---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 28

Chapter 10–12 Outline

- I. The Setting (10:1-3)
- II. Arrival of the Heavenly Messenger (10:4-9)
- III. Explanation of the Heavenly Messenger (10:1–11:1)
- IV. The Prophecy of the Heavenly Messenger (11:2–12:13)



---

---

---

---

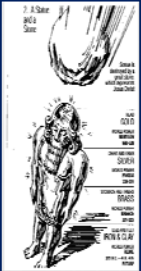

---

---

---

Slide 29

Statue & Stone



---

---

---

---

---


---

---

Slide 30

Purpose

To encourage Judah by emphasizing the sovereignty of God during the Babylonian captivity and to teach Judah how to live while outside the land.



---

---

---

---

---


---

---

Slide 31

Chapter 10–12 Outline

- I. The Setting (10:1-3)
- II. Arrival of the Heavenly Messenger (10:4-9)
- III. Explanation of the Heavenly Messenger (10:10–11:1)
- IV. The Prophecy of the Heavenly Messenger (11:2–12:13)



---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 32

IV. The Prophecy of the Heavenly Messenger  
(11:2–12:13)

- A. Persia (11:2)
- B. Greece (11:3-4)
- C. Ptolemies & Seleucids (11:5-20)
- D. Antiochus (11:21-35)
- E. Antichrist (11:36-45)
- F. Tribulation & Millennium (12:1-13)



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 33

IV. The Prophecy of the Heavenly Messenger  
(11:2–12:13)

- A. Persia (11:2)
- B. Greece (11:3-4)
- C. Ptolemies & Seleucids (11:5-20)
- D. Antiochus (11:21-35)
- E. Antichrist (11:36-45)
- F. Tribulation & Millennium (12:1-13)



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 34

IV. The Prophecy of the Heavenly Messenger  
(11:2–12:13)

- A. Persia (11:2)
- B. Greece (11:3-4)
- C. Ptolemies & Seleucids (11:5-20)
- D. Antiochus (11:21-35)
- E. Antichrist (11:36-45)
- F. Tribulation & Millennium (12:1-13)



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 35

IV. The Prophecy of the Heavenly Messenger  
(11:2–12:13)

- A. Persia (11:2)
- B. Greece (11:3-4)
- C. Ptolemies & Seleucids (11:5-20)
- D. Antiochus (11:21-35)
- E. Antichrist (11:36-45)
- F. Tribulation & Millennium (12:1-13)



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 36

IV. The Prophecy of the Heavenly Messenger  
(11:2–12:13)

- A. Persia (11:2)
- B. Greece (11:3-4)
- C. Ptolemies & Seleucids (11:5-20)
- D. Antiochus (11:21-35)
- E. Antichrist (11:36-45)
- F. Tribulation & Millennium (12:1-13)



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 37

IV. The Prophecy of the Heavenly Messenger  
(11:2–12:13)

- A. Persia (11:2)
- B. Greece (11:3-4)
- C. Ptolemies & Seleucids (11:5-20)
- D. Antiochus (11:21-35)
- E. Antichrist (11:36-45)
- F. Tribulation & Millennium (12:1-13)



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 38

IV. The Prophecy of the Heavenly Messenger  
(11:2–12:13)

- A. Persia (11:2)
- B. Greece (11:3-4)
- C. Ptolemies & Seleucids (11:5-20)
- D. Antiochus (11:21-35)
- E. Antichrist (11:36-45)
- F. Tribulation & Millennium (12:1-13)



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 39

Conclusion

---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 40

**Chapter 10–12 Outline**

- I. The Setting (10:1-3)
- II. Arrival of the Heavenly Messenger (10:4-9)
- III. Explanation of the Heavenly Messenger (10:1–11:1)
- IV. The Prophecy of the Heavenly Messenger (11:2–12:13)



DANIEL

---

---

---

---


---

---

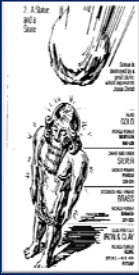
---

---

Slide 41



**Statue & Stone**



The diagram shows the statue's composition: Head (Gold), Neck (Silver), Chest and Arms (Copper), Hips (Iron), and Feet (Clay). A stone is shown striking the feet.

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 42

**Purpose**

To encourage Judah by emphasizing the sovereignty of God during the Babylonian captivity and to teach Judah how to live while outside the land.



DANIEL

---

---

---

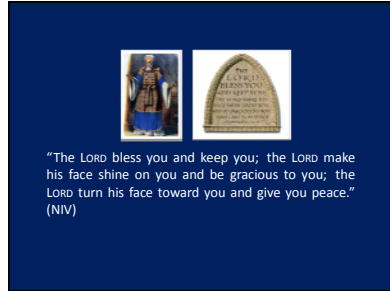
---

---

---

---

---



---

---

---

---

---

---

---

## 12a

Rev. 1:17- When I saw Him, I fell at His feet like a dead man. And He placed His right hand on me, saying, “**Do not be afraid;** I am the first and the last,

2 Tim. 1:7- For God has not given us a spirit of timidity, but of power and love and discipline.

## 12b-13a

Ezek. 28:17- Your heart was lifted up because of your beauty; **You corrupted your wisdom** by reason of your splendor. I cast you to the ground; I put you before kings, That they may see you.

Gen. 3:1- Now the serpent was more crafty than any beast of the field which the LORD God had made. And he said to the woman, “**Indeed, has God said,** ‘You shall not eat from any tree of the garden’?”

Matt. 13:19-When anyone hears **the word** of the kingdom and does not understand it, the **evil one comes and snatches away**

what has been sown in his heart. This is the one on whom seed was sown beside the road.

### **13b**

Dan. 12:1-Now at that time **Michael**, the great prince who stands *guard* over the sons of your people, will arise. And there will be a time of distress such as never occurred since there was a nation until that time; and at that time your people, everyone who is found written in the book, will be rescued.

Eph. 6:12-For our struggle is not against flesh and blood, but against the rulers, against the powers, against the world forces of this darkness, against the spiritual *forces* of wickedness in the heavenly *places*.

2 Kgs. 6:15-17- Now when the attendant of the man of God had risen early and gone out, behold, an army with horses and chariots was circling the city. And his servant said to him, “Alas, my master! What shall we do?” <sup>16</sup> So he answered, “Do not fear, for those who are with us are more than those who are with them.” <sup>17</sup> Then Elisha prayed and said, “O LORD, I pray, open his eyes that he may see.” And the LORD opened the servant’s eyes and he saw; and behold, the mountain was full of horses and chariots of fire all around Elisha.

1 Tim. 2:1-2-First of all, then, I urge that entreaties *and* prayers, petitions *and* thanksgivings, be made on behalf of all men, <sup>2</sup> for kings and all who are in authority, so that we may lead a tranquil and quiet life in all godliness and dignity.

### **15-17**



Dan. 7:28- At this point the revelation ended. As for me, Daniel, my thoughts were greatly alarming me and my face grew pale, but I kept the matter to myself.

Dan. 8:27-Then I, Daniel, was exhausted and sick for days. Then I got up *again* and carried on the king's business; but I was astounded at the vision, and there was none to explain *it*.

## **18-19**

Heb. 13:8-Jesus Christ *is* the same yesterday and today and forever.

Dan. 10:11- He said to me, "O Daniel, man of high esteem, understand the words that I am about to tell you and stand upright, for I have now been sent to you." And when he had spoken this word to me, I stood up trembling.

Dan. 9:23-At the beginning of your supplications the command was issued, and I have come to tell *you*, for you are highly esteemed; so give heed to the message and gain understanding of the vision.

Philip. 4:6-7-Be anxious for nothing, but in everything by prayer and supplication with thanksgiving let your requests be made known to God. <sup>7</sup> And the peace of God, which surpasses all comprehension, will guard your hearts and your minds in Christ Jesus.

2 Tim. 1:7- For God has not given us a spirit of timidity, but of power and love and discipline.

## **21**

Dan. 12:1-Now at that time Michael, the great prince who stands *guard* over the sons of your people, will arise. And there will be a time of distress such as never occurred since there was a nation until that time; and at that time your people, everyone who is found written in the book, will be rescued.

### **Conclusion**

Num. 6:24-26-The LORD bless you, and keep you;<sup>25</sup> The LORD make His face shine on you, And be gracious to you;<sup>26</sup> The LORD lift up His countenance on you, And give you peace.'